

1. अधस्तनेषु प्रश्नेषु 'क' विभागात् प्रश्नचतुष्टयम्, 'ख' विभागात् प्रश्नद्वयं च स्वीकृत्य प्रश्नषट्कं समाधेयम्। तेषु यत्किञ्चन द्वितयं संस्कृतभाषया लेख्यम्।
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে চারটি এবং 'খ' বিভাগ থেকে দুটি প্রশ্ন নিয়ে মোট ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। এর মধ্যে যে কোন দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে) 5×6=30

क-विभाग

- a) 'परिहासविजङ्गितं सखे परमार्थेण न गृह्यतां वचः'—उक्तिरियं कस्य?
नाटकীয়গতিসিদ্ধয়ে উক্তেরস্যাঃ প্রভাব আলোচ্যতাম্।
(এটি কার উক্তি? নাটকের উৎকর্ষের জন্য এই উক্তির প্রভাব আলোচনা কর।)
- b) বঙ্গভাষয়া অনুবাদো বিধীয়তাম্ (বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর) :
তীরাঘাতপ্রতিহততরুঃ স্কন্ধলগ্নৈকদন্তঃ
পাদাকৃষ্টব্রততিবলয়াসঙ্গসঞ্জাতপাশঃ।
মূর্তো বিঘ্নস্তপস ইব নো ভিন্নসারঙ্গযুথো
ধর্মাংগ্যং প্রবিশতি গজঃ স্যন্দনালোকভীতঃ।।
- c) সপ্রসঙ্গং ব্যাখ্যায়তাম্ (সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা কর) :
শমপ্রধানেষু তপোধনেষু গুঢ়ং হি দাহাত্মকমস্তি তেজঃ।
স্পর্শানুকূলা ইব সূর্যকান্তাস্তদন্যতেজোহভিভবাদ্ বমস্তি।।
- d) ভাবঃ সম্প্রসার্যতাম্ (ভাবসম্প্রসারণ কর) :
তমস্তপতি ঘর্মাংশৌ কথমাবির্ভবিষ্যতি।
- e) 'মম বিরহজাং ন ত্বং বৎসে শুচং গণয়িষ্যসি'—বক্তা কে? শুচঃ অপনোদনে বক্তুরাশয়মুদ্ঘাটয়ত।
(বক্তা কে? বেদনা পরিহারে বক্তার উদ্দেশ্য প্রকাশ কর)

ख-विभाग

- f) मालतीमाधवः कीदृशं रूपकम्? रूपकस्यास्य परिचयः प्रदेयः।
(मालतीमाधवः की धरनेन रूपकम्? एतद् रूपकस्य परिचयः प्रदानं करतु।)
- g) पञ्चरात्रस्योपरि टीका लेख्या।
(टीका लेख—‘पञ्चरात्र’)
- h) भट्टनारायणस्य नाट्यप्रतिभां विवृणुत।
(भट्टनारायणस्य नाट्यप्रतिभां विवृतं करतु।)

2. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु ‘क’ विभागेः प्रश्नद्वयम्, ‘ख’ विभागेः एकं प्रश्नं स्वीकृत्य समाधेयम् प्रश्नत्रयम्।
(निम्नलिखित प्रश्नशुल्लिकस्य मध्ये ‘क’ विभागेः द्वौ च ‘ख’ विभागेः एकः च प्रश्नः निम्ने मोट तिनः प्रश्नेः उत्तरं दातु।)
10×3=30

क-विभाग

- a) पाठ्यांशमनुसृत्य राज्ञः दुष्यन्तस्य पूर्वरागे वर्णयतम् (पाठ्यांशं अनुसरणं राज्ञो दुष्यन्तस्य पूर्वरागं वर्णयतम्।)
- b) ‘वत्से! इमे अपि प्रदेये’—वक्त्रा कः? के इमे? तयोश्चरित्रयोस्तुलनात्कं विज्ञेयं क्रियताम्। (वक्त्रा के? एतद् द्वौ जनौ कारा? तयोश्चरित्रयोस्तुलनात्कं विज्ञेयं करतु।)
- c) शाकुन्तले प्रतिफलितं सामाजिकविधानमाधारीकृत्य एकं निबन्धं लेखतः।
(अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटके प्रतिफलितं सामाजिकं विधानं वर्णयतु करतु एकं निबन्धं लेखतु।)

ख-विभाग

- a) संस्कृतसाहित्ये भाससमस्यामधिकृत्य एकं प्रबन्धं विरचयत।
(साहित्ये भाससमस्यां विषये एकं प्रबन्धं रचनां करतु।)
- b) टीका लेख्या (टीका लेख)।
i) महावीरचरितम्।
ii) प्रियदर्शिका।